PRESS CLIPPINGS

PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY

SEC-16C, DWARKA, NEW DELHI

Date: 07-11-2026

वीर अर्जुन, नई दिल्ली, 7 नवम्बर, 2026

आईपी विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरूकता पर कार्यशाला आयोजित



नई दिल्ली (वीअ)। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विवि (जीजीएसआईपीयू) ने कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा के मार्गदर्शन में अपने स्टाफ डेवलपमेंट सेल (एसडीसी) के माध्यम से ठसुशासन के लिए सतर्कता जागरूकताठ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में महानिदेशालय सतर्कता, सीबीआईसी की संयुक्त आयुक्त सुश्री निधि गुप्ता और नीति आयोग में वित्त निदेशक तथा भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में वरिष्ठ लेखा नियंत्रक श्री नीरज कुमार शर्मा द्वारा विशेषज्ञ सत्र लिए गए। चर्चा सतर्कता तंत्र, नैतिक निर्णय-निर्माण, निवारक उपायों और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता पर केंद्रित रही। कार्यक्रम में सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 भी मनाया गया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा के महत्व और भ्रष्टाचार को रोकने में व्यक्तिगत जिम्मेदारी की भूमिका पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नारा लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

विराट वैभव
नई दिल्ली, शनिवार, 07 नवम्बर 2026

आईपी विश्वविद्यालय में सतर्कता जागरुकता पर कार्यशाला आयोजित



नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) ने कुलपति प्रो. महेश वर्मा के मार्गदर्शन में अपने स्टाफ डेवलपमेंट सेल (एसडीसी) के माध्यम से सुशासन के लिए सतर्कता जागरूकता विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में महानिदेशालय सतर्कता, सीबीआईसी की संयुक्त आयुक्त निधि गुप्ता और नीति आयोग में वित्त निदेशक तथा भारत सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय में वरिष्ठ लेखा नियंत्रक नीरज कुमार शर्मा द्वारा विशेषज्ञ सत्र लिए गए। चर्चा सतर्कता तंत्र नैतिक निर्णय-निर्माण निवारक उपायों और सार्वजनिक प्रशासन में पारदर्शिता पर केंद्रित रही। कार्यक्रम में सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 भी मनाया गया। विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा के महत्व और भ्रष्टाचार को रोकने में व्यक्तिगत जिम्मेदारी की भूमिका पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु नारा लेखन और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

PRESS CLIPPINGS

PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY

SEC-16C, DWARKA, NEW DELHI

Date: 07-11-2026

नई दिल्ली, शनिवार, 7 नवंबर, 2026

जागरण सिटी

शोध पद्धति व सैद्धांतिक दृष्टिकोण पर आइपी यूनिवर्सिटी में कार्यशाला

वि, पश्चिमी दिल्ली : गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आइपी यूनिवर्सिटी) के यूनिवर्सिटी स्कूल आफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज (यूएसएचएसएस) स्थित अंग्रेजी विभाग में शोध पद्धति और सैद्धांतिक दृष्टिकोण विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शुरू किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समकालीन शोध बहसों, उभरते अकादमिक दृष्टिकोणों और आधुनिक शोध पद्धतियों पर विस्तार से ध्यान केंद्रित करना है।

उद्घाटन सत्र में चौधरी देवी लाल विश्वविद्यालय (सिरसा) के प्रो. पंकज शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत की। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ), डिजिटल ह्यूमैनिटीज और शोध में नैतिकता के आपसी संबंधों पर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। चर्चा को आगे बढ़ाते हुए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के सेंटर आफ इंग्लिश स्टडीज के पूर्व प्रोफेसर एवं अध्यक्ष प्रो. हरीश नारंग ने साहित्यिक शोध के क्षेत्र में अकादमिक सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व को रेखांकित किया। इस तीन दिवसीय आयोजन का समन्वय डा. चेतना तिवारी, डा. नरेश वत्स और डा. शुभांकु कोचर द्वारा किया जा रहा है। कार्यशाला में शोध विद्वानों (रिसर्च स्कालर्स) और स्नातकोत्तर (पीजी) छात्रों को आमंत्रित किया गया है ताकि वे वैचारिक ढांचों और आधुनिक शोध तकनीकों की अपनी समझ को अधिक गहरा और प्रासंगिक बना सकें।

PRESS CLIPPINGS

PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY

SEC-16C, DWARKA, NEW DELHI

Date: 08-11-2026

हरिभूमि

नई दिल्ली, रविवार 8 नवंबर 2026

शिक्षकों के व्यावसायिक विकास और मार्गदर्शन पर कार्यशाला आयोजित

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन (यूएसई) की पहल पर राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एनसीटीई) के सहयोग से पुष्टि (एनपीएसटी) और मित्र (एनएमएम) को अपनाने पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई। विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम का विषय 'समर्थ शिक्षक-सशक्त भारत' था। आईपीयू प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षकों के व्यावसायिक मानकों, सतत विकास और मार्गदर्शन को सुदृढ़ करना था। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने कार्यशाला की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दीं और शिक्षक शिक्षा को सशक्त बनाने के लिए यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन तथा एनसीटीई के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। कार्यशाला का आयोजन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन के अधिष्ठाता प्रो. धनंजय जोशी के नेतृत्व में किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षकों को राष्ट्रनिर्माता और देश के भविष्य का संरक्षक बताया।

अमर उजाला

नई दिल्ली | रविवार, 8 नवंबर 2026

कार्यशाला में शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देने पर की विचार-चर्चा

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपीयू) ने शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास पर एक दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यशाला आयोजित की। यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन (यूएसई) ने राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के सहयोग से इसे आयोजित किया।

कार्यशाला ''समर्थ शिक्षक-सशक्त भारत'' विषय पर हुई, जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत शिक्षकों को बेहतर प्रशिक्षण देने पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय के कुलपति महेश वर्मा ने आईपीयू और एनसीटीई की साझा पहल की सराहना की। यूएसई के अधिष्ठाता धनंजय जोशी ने शिक्षकों के काम को विद्यार्थियों में जिज्ञासा जगाना बताया। एनसीटीई के अध्यक्ष पंकज अरोड़ा ने शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए मार्गदर्शन को महत्वपूर्ण बताया।

छह हजार से अधिक मार्गदर्शक जुड़े और करीब सात हजार मार्गदर्शन सत्र हुए। डिजिटल प्लेटफॉर्म को प्रशिक्षण का प्रभावी माध्यम बताया गया। कार्यशाला में शिक्षकों को पुष्टि (एनपीएसटी) और मित्र (एनएमएम) पहलों से जोड़ने का प्रशिक्षण दिया गया।

PRESS CLIPPINGS
PUBLIC RELATIONS DEPARTMENT
GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY
SEC-16C, DWARKA, NEW DELHI
Date: 09-11-2026



Padma Shri Prof Dr Mahesh Verma
Vice Chancellor, Guru Gobind Singh Indraprastha University, New Delhi

Education for Tomorrow

Prof Dr Mahesh Verma is committed towards building a future-ready generation through innovation, inclusion, sustainability and the values of Viksit Bharat

Under the leadership of Padma Shri Prof Dr Mahesh Verma, GGSIPU is transforming its academic ecosystem in alignment with the National Education Policy (NEP) 2020. Outcome-based programmes incorporate Multi Entry-Multi Exit, Academic Bank of Credits, embedded internships and skill- and value-added learning, enabling students to combine knowledge with practical experience.

The university is expanding access to emerging disciplines including AI/ML, cybersecurity, IoT, robotics, financial analysis, digital marketing, biotechnology, design and innovation, medical sciences and environmental studies. A Centre for Distance and Online Education, supported by a robust Learning Management System, will further widen access, while AI and Large Language Models are being integrated into teaching and learning. NSQF-aligned certifications, bootcamps, incubation programmes and startup competitions are strengthening employability, entrepreneurship and innovation.

GGSIPU's academic and research ecosystem is complemented by strong institutional achievements. The university holds NAAC A++ accreditation and features among the top 100 in NIRF, with global recognition through QS and Times Higher Education. Its research ecosystem includes the Atal Incubation Centre and IPU Innovation & Incubation Foundation, supporting 85+ equity-based ventures and 26 pre-incubation projects with 500+ mentors. Its h-index has risen from 42 to 116 in six years.

Infrastructure is evolving alongside academic ambitions, with 140+ smart classrooms, advanced laboratories, studios, sports facilities, incubation spaces and accessible campus amenities. New campuses and an offshore initiative further reflect the university's expansion and international outlook.

Yet, preparing the next generation for Viksit Bharat requires more than technological proficiency. GGSIPU integrates human values, ethics, Indian knowledge systems and the Happiness and Viksit Bharat Curriculum to cultivate empathy, critical thinking, collaboration and responsible citizenship. Scholarships, inclusive admissions and provisions for disadvantaged groups reinforce its commitment to equitable opportunity.

Sustainability is equally integral to this vision. Solar energy, LED lighting, sensor-based systems, waste management, rainwater harvesting, sustainable procurement and regular environmental audits encourage students to view development through the lens of ecological responsibility.

The way forward is to create graduates who are not only employable, but capable of creating solutions, enterprises and institutions that strengthen India's future. Students must be encouraged to embrace diversity, global perspectives and continuous learning while remaining rooted in Indian values. Creativity, innovation, research, entrepreneurship and critical thinking must become everyday capabilities.

Sports, yoga, meditation and community engagement can nurture well-being and social responsibility, while internships, industry interaction and village adoption programmes connect learning with real-world challenges.

For GGSIPU, the Viksit Bharat journey is ultimately about developing knowledge-driven, ethical, innovative and socially conscious citizens—a generation equipped to harness technology, respect the environment, contribute to inclusive growth and build solutions for India and the world.